गृह मन्त्रालय और कार्मिक विभाग में राज्य मन्त्री (श्री राम निवास मिर्धा) : (क) 1961 के जनगणना आंकड़ों के अनुसार भारत में 10.21 लाख नेपाली भाषी लोग हैं।

(ख) जी हां, श्रीमान्।

(ग) ज्ञापन में दी गई मुख्य बातें ये हैं कि नेपाली भाषा को निम्नलिखित आधारों पर संविधान की आठवीं अनुसूची मे शामिल किया जाय :—

(i) नेपाली भाषा भारत के लगभग 50 लाख लोगों द्वारा बोली जाती है।

(ii) नेपाली भाषा दार्जिलिंग और आस-पास के अन्य क्षेत्रों के एक बड़े भाग के लोगों की मुख्य भाषा है। नेपाली भारत के घनिष्ठ मित्र नेपाल की राज्य भाषा है और यह भूटान तथा सिक्किम के अधिकांश लोगों द्वारा बोली जाती है। इन देशों के सामाजिक, राजनैतिक और सास्कृतिक सम्बन्ध भारत के साथ बहुत गहरे और बड़े मजबूत हैं।

(iii) देश की नेपाली भाषी जनसख्या भारत की सुरक्षा का प्रधान अश है और वे भारत के राजनीतिक जीवन मे एक बड़ी भूमिका अदा करते हैं।

(iv) नेपाली भाषा लोगों को सामाजिक विकास तथा संस्कृति व भाषा के विकास के लिए सुविधाएं नही मिल रही हैं।

ज्ञापन मे दिये गये प्रस्ताव अतीत मे भी प्राप्त हुए थे। भारत सरकार का यह निश्चित मत है कि राष्ट्र के विस्तृत हित में संविधान की आठवीं सूची का विस्तार नहीं किया जाना चाहिए।

चौथी योजना के दौरान मध्य प्रदेश में सीमेंट कारखाने की स्थापना

1407. **श्री गंगाचरण दीक्षित** : क्या औद्योगिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या चौथी पचवर्षीय योजना के अन्तर्गत मध्यप्रदेश मे सीमेंट का एक कारखाना खोलने का सरकार का प्रस्ताव है ; और

(ख) यदि हा, तो उसकी लागत क्या होगी तथा उससे कितने व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा ?

औद्योगिक विकास मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) मेढर (मध्य प्रदेश) मे एक 2,00,000 वार्षिक क्षमता वाला सीमेंट का सयंत्र सीमेंट कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा चालू किया जा चुका है। 1,86,060 मी० टन वार्षिक ब्लास्ट फरनैस स्लेग सीमेंट बनाने हेतु एकक के पर्याप्त विस्तार का प्रस्ताव स्वीकृत कर दिया गया है तथा औपचारिक मंजूरी जारी हो रही है।

(ख) मेढर की पर्या विस्तार योजना पर 211 लाख रुपये की ी व्यय का अनुमान है तथा इससे 105 व नयों को रोजगार मिलने की आशा है।

लाइसेंसों के लिए मध्य प्रदेश से प्राप्त अनिर्णीत आवेदन-पत्र

1408. **श्री गंगाचरण दीक्षित** : क्या औद्योगिक विकास मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन उद्योगों के लिए औद्योगिक लाइसेंस दिये जाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार को आवेदन-पत्र भेजे हैं तथा जिन पर केन्द्रीय सरकार ने निर्णय नहीं किया है ;